# Post Event Press Release

## जयपुर के आसमान में परिंदो के साथ ड्रोन्स ने भी भरी उडान– ड्रोन एक्सपो 2022(16.06.2022)

आज झालाना के आसमान में एक परिंदा पिछले 15 मिनट से लगातार एक जगह उड रहा था और अचानक वह टेक्नो हब की ओर बढा ओर सभा के सामने सॉफ्ट लैंडिग कर दी। आसमान मे इस उडती हुइ वस्तु को देखकर हर कोई रोमांचित हो उठा। **यह कोई परिंदा नहीं, यह तो एक ड्रोन था, जो ड्रोन एक्सपो 2022 मे उड रहा था।** अचानक दूसरी तरफ से एक ओर ड्रोन लोगो के ऊपर आ गया और बाढ या समुद्र के भीतर आपातकाल परिस्थितियों में जीवनरक्षक कैसे बन सकता है इसका प्रर्दशन किया, तीसरा ड्रोन आसमान में एरोबेटिक्स दिखाकर अपनी क्षमताओ का प्रदर्शन कर रहा था कि यह सिंचाई और खेती मे कैसे मदद कर सकता है।

आज जयपुर मे ड्रोन एक्सपो 2022 में, 50 से अधिक ड्रोन निर्माताओ ने भाग लिया और अपने ड्रोन की क्षमताओं का प्रदर्शन किया। बजट घोषणा 2022 के अनुसार, सरकार इस वर्ष विभिन्न विभागों के लिये 1000 से अधिक ड्रोन खरीदने की योजना बना रही हैं। इस संबंध मे सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के आईस्टार्ट राजस्थान की छत्रछाया में टेक्नो हब, झालाना डूंगरी जयपुर मे ड्रोन एक्सपो 2022 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्रीमान अखिल अरोड़ा ने उपस्थित होकर ड्रोन प्रदर्शनी 2022 का अवलोकन किया और साथ ही ड्रोन निर्माताओं से उनके उपयोगों को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए विभागीय अधिकारियों को ड्रोन का उपयोग सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में आयुक्त एवं संयुक्त सचिव श्रीमान संदेश नायक ने कार्यक्रम का उद्घाटन कर उपस्थित लोगो से अपने विचार साझा किये। श्री संदेश नायक ने अवगत कराया कि आने वाले दिनो मे ड्रोन तकनीक किस तरह किसानों की मदद करेगी। ड्रोन न केवल सिंचाई और कीटनाशको के रोकथाम मे किसानों की मदद कर सकते है, बल्कि प्रतिकूल मौसम और परिस्थितियों के कारण होने वाले नुकसान व हानि का सर्वेक्षण करने मे भी कृषि विभाग की मदद कर सकते हैं। ड्रोन निगरानी और सुरक्षा मे पुलिस विभाग, जल संसाधन विभाग, वन्यजीव व अन्य विभागो की मदद कर सकते हैं। वह दिन दूर नहीं जब भविष्य मे उत्पादों की होम डिलीवरी के लिये ड्रोन उपलब्ध होंगे।

विभाग ने आयोजन के दौरान राजस्थान में स्टार्टअप इकोसिस्टम का विस्तार करने के लिये नीति आयोग, एचडीएफसी बैंक, पीएचडी चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स और फिक्की एफएलओ, आईसीआईसीआई बैंक, अमेजॉन (एडब्ल्यूएस) के साथ भागीदारी की है। नीति आयोग से वरिष्ठ सलाहकार ऐना रॉय ने अवगत कराया कि राजस्थान डब्ल्यूईपी, नीति आयोग के साथ साझेदारी करने वाला प्रथम राज्य है, जिससे कि प्रदेश की महिला उद्यमियों को प्रोत्साहन व सरकार द्वारा दी जाने वाली अनेक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। आईस्टार्ट राजस्थान, प्रदेश मे उद्यमिता और नवाचार को बढावा देने के लिये सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राजस्थान सरकार की प्रमुख योजना है, जहां वर्तमान में 1700 से अधिक स्र्टाटअप पंजीकृत है और 200 स्टार्टअप इनक्यूबेट है व 300 से अधिक स्टार्टअप को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की जा चुकी है।

कार्यक्रम के दौरान अतिथि वक्ता श्री प्रदीप नामदेव एवं श्री प्रणव राऊतविल ने ''भारत में ड्रोन कानून'' पर अपना ज्ञान साझा किया और श्री अमृत महापात्र ने ''प्रौद्योगिकी और उपयोग पर आधारित ड्रोन के प्रकार'' पर अपना ज्ञान व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों से गणमान्य अधिकारियों जैसे कि कृषि विभाग से आयुक्त श्रीमान कान्हा राम, श्रीमान शरत कविराज, आईजीपी, एससीआरबी, श्रीमान उदय शंकर, सदस्य सचिव, पोल्यूशन कंट्रोल बोर्ड, श्रीमान अरिजीत बनर्जी, एपीसीसीएफ (आईटी), वन विभाग और पुलिस विभाग के आपदा प्रबंधन से श्रीमान गणपति महावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और अन्य विभागों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए और कार्यक्रम में प्रदर्शित ड्रोन को उनके संबंधित विभागों के दृष्टिकोण से देखा।